卐 श्री शङ्कराचार्यो विजयतेतराम् 卐

प्रातः स्मरणीय धर्मसम्राट अनन्त श्री समलङ्कृत श्री मज्ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु शङ्कराचार्य

श्री स्वामी वासुदेवानन्द सरस्वती जी महाराज

१. ज्योतिर्मठ, जोशीमठ जिला-चमोली उत्तराखण्ड दूरभाष : ०१३८९-२२१२७

२. श्री ब्रह्मनिवास शङ्कराचार्य आश्रम ५६/१५ अलोपीबाग प्रयाग दूरभाष - ०५३२ - २५०००१७

दिनांक 21.2.2019

भारतीय वैदिक सनातन संस्कृति एवं संस्कार की प्रतिष्ठा बनाये रखने के लिए भगवान आद्यशङ्कराचार्य ने भारत के चारों कोनों में चारों धाम पर पीठ की स्थापना की है। पूर्व में गोवर्धनमठ, दक्षिण में श्रृंगेरीमठ, पश्चिम में द्वारका शारदा मठ एवं उत्तर में ज्योतिर्मठ इन मठों के आचार्य भगवान शंकराचार्य के नाम से ख्यात होते है। जो सदा हिन्दू सनातन संस्कृति के संरक्षण में संलग्न रहते है। पिराना पीठ के लिए जो मैंने पत्र लिखवाया था, श्री रतन लाल पटेल जी के द्वारा हमें यह ज्ञात हुआ था, कि ये सत्पंथ संस्था हिन्दुओं को बरगला कर इस्लाम में परिवर्तित कर रही है, श्रृंगेरी के शङ्कराचार्य भी इस पर अपना मन्तव्य प्रगट किये थे। और यह पत्र मैंने अपने ही शिष्य शिवार्चन प्रसाद उपाध्याय के द्वारा लिखवाया था। वह मेरा ही पत्र था। सत्पंथ से सम्बन्ध बनाकर अन्दर से इस्लामिक परम्परा में जो लोग यदि हिन्दू धर्म स्वीकार करते है तो हम स्वयं आकर सभी को हिन्दूधर्म में प्रतिष्ठित करेंगे। सभी लोग हिन्दू संस्कृति के अनुसार पञ्चदेवोपासना करें। हम लोग उनका संरक्षण करेंगे। रामकृष्ण आदि देवों का मंदिर बनाये एवं उनकी सेवा, पूजा, मन्त्र, जप, पाठादि करें, हम सदा उनके साथ रहेंगे। दशावतार में हमारे रामकृष्ण आदि आते है जो युगान्तर से गणित है। कलियुग के दशावतार कोई नहीं है यह दशावतार जनता को भ्रमित कर इस्लाम में परिवर्तित करने का एक इस्लामिक षड्यंत्र है। जनमानस को इससे सदा बचकर ही रहना चाहिए, स्वामी जितेन्द्रानन्द सरस्वती को ज्ञात नहीं था। पत्र मेरा ही था और मैंने ही लिखवाया था हिन्दूत्व की धारा में रहने वालो के साथ हम सदा साथ है।

[illegible]

[illegible]

Real Patidar Library

About Real Patidar books

卐 श्री शङ्कराचार्यो विजयतेतराम् 卐

प्रातः स्मरणीय धर्मसम्राट अनन्त श्री समलङ्कृत श्री मज्ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु शङ्कराचार्य

श्री स्वामी वासुदेवानन्द सरस्वती जी महाराज

१. ज्योतिर्मठ, जोशीमठ जिला-चमोली उत्तराखण्ड दूरभाष : ०१३८९-२२१२७
२. श्री ब्रह्मनिवास शङ्कराचार्य आश्रम ५६/१५ अलोपीबाग प्रयाग दूरभाष - ०५३२ - २५०००९७

पत्रांक .... दिनांक 29.1.2018

भारतीय वैदिक सनातन संस्कृति एवं संस्कार की प्रतिष्ठा बनाये रखने के लिए भगवान आद्यशङ्कराचार्य ने भारत के चारों कोनों में चारों धाम पर पीठ की स्थापना की है। पूर्व मे गोवर्धनमठ, दक्षिण में श्रृंगेरीमठ, पश्चिम में द्वारका शारदा मठ एवं उत्तर में ज्योतिर्मठ इन मठों के आचार्य भगवान शंकराचार्य के नाम से ख्यात होते हैं। जो सदा हिन्दू सनातन संस्कृति के संरक्षण में संलग्न रहते हैं। पिराना पीठ के लिए जो मैंने पत्र लिखवाया था, श्री रतन लाल पटेल जी के द्वारा हमें यह ज्ञात हुआ था, कि ये सत्पंथ संस्था हिन्दुओं को बरगला कर इस्लाम में परिवर्तित कर रही है, श्रृंगेरी के शङ्कराचार्य भी इस पर अपना मन्तव्य प्रगट किये थे। और यह पत्र मैंने अपने ही शिष्य शिवार्चन प्रसाद उपाध्याय के द्वारा लिखवाया था। वह मेरा ही पत्र था। सत्पंथ से सम्बन्ध बनाकर अन्दर से इस्लामिक परम्परा में जो लोग यदि हिन्दू धर्म स्वीकार करते है तो हम स्वयं आकर सभी को हिन्दूधर्म में प्रतिष्ठित करेंगे। सभी लोग हिन्दू संस्कृति के अनुसार पञ्चदेवोपासना करें। हम लोग उनका संरक्षण करेंगे। रामकृष्ण आदि देवों का मंदिर बनायें एवं उनकी सेवा, पूजा, मन्त्र, जप, पाठादि करें, हम सदा उनके साथ रहेंगे। दशावतार में हमारे रामकृष्ण आदि आते हैं जो युगान्तर से गणित हैं। कलियुग के दशावतार कोई नहीं है यह दशावतार जनता को भ्रमित कर इस्लाम में परिवर्तित करने का एक इस्लामिक षड्यंत्र है। जनमानस को इससे सदा बचकर ही रहना चाहिए, स्वामी जितेन्द्रानन्द सरस्वती को ज्ञात नहीं था। पत्र मेरा ही था और मैंने ही लिखवाया था हिन्दुत्व की धारा मे रहने वालो के साथ हम सदा साथ हैं।

[signature]